हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 27 मई 2026

04 अस्पताल में बदहाली की हद: फर्श पर तड़पती रही...

07 अतिक्रमण हटाया, प्रशासन ने कराई खंती...

खबर संक्षेप

ईदुज्जुहा का अवकाश होगा 28 को

सीहोर। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश अनुसार ईदुज्जुहा का अवकाश गुरुवार 28 मई को रहेगा। पूर्व में ईदुज्जुहा का अवकाश बुधवार 27 मई को घोषित किया गया था। बुधवार 27 मई को निर्धारित समय अनुसार समस्त शासकीय कार्यालय खुले रहेंगे।

कलेक्टर सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 72 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अनमोल-हर्षित नदी में उतरे, महिला घाट चमका

सीहोर। छतरी घाट पर श्रमदान हुआ। जलकुंभी हटाई गई। जलाशय तैयार किया गया। अब पशु, पक्षी, जीव-जंतु आसानी से पानी पी सकेंगे। श्रमदान में सीवन पुत्र की टीम रही। पूर्व आर्मी जवानों की टीम रही। सीवन योद्धाओं की टीम रही। छोटे सीवन पुत्रों की टीम रही। श्रमदान में अनमोल कुशवाह और हर्षित कुशवाह सीवन की गोद में पानी में उतरे। जलकुंभी साफ की। दोनों ने संदेश दिया कि जब बच्चे नदी को लेकर गंभीर हैं, तो बड़े नदी का ध्यान क्यों नहीं रखते। सीवन टीम ने दोनों बच्चों को सीवन मेडल पहनाकर सम्मानित किया। पूर्व आर्मी जवान और समाजसेवी निकेश सिंह मेवाडा ने भी श्रमदान में योगदान दिया। उन्हें भी मेडल दिया गया। कार्यक्रम सुबह 8 बजे से 10 बजे तक चला। इसके बाद सीवन योद्धा सीवन महिला घाट पर उतरे। नदी से गंदगी निकाली। पॉलिथीन निकाली। बोरियां निकालीं। पूजन सामग्री निकाली। टीम दिन भर काम करती रही। महिला घाट को साफ कर दिया।

पूरे प्रदेश में सिर्फ दमोह में योग्य डीईओ, सीहोर सहित 54 जिले प्रभारियों के भरोसे, सीहोर में डीपीसी पद भी प्रभारी के भरोसे

प्रभारी डीईओ-डीपीसी के भरोसे चौपट हुई सीहोर में पढ़ाई व्यवस्था, 10वीं के नतीजों में निजी अव्वल

मेधावियों का सम्मान करने जा रही नवोदित कला मंच एवं जन परिषद सीहोर, उसमें निजी स्कूल के छात्र सबसे ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

। जिले के शिक्षा विभाग में इन दिनों अंधेर नगरी चौपट राजा जैसे हालात बने हुए हैं। एक ओर सरकार शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और सुधार के बड़े-बड़े दावे कर रही है तो दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि जिले की पूरी स्कूली शिक्षा व्यवस्था योग्यता के अभाव और प्रभारियों के खेल में उलझकर चौपट हो चुकी है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण हाल ही में आए कक्षा 10वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम हैं, जहां 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने में सीहोर शहर के निजी स्कूलों ने बाजी मारी है, जबकि मोटी तनख्वाह और तमाम सरकारी योजनाओं के बावजूद सरकारी स्कूल निजी विद्यालयों के आगे फिसड्डी साबित हुए हैं।

बता दें नवोदित कला मंच एवं जन परिषद सीहोर द्वारा आगामी 31 मई रविवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस चंद्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 32वां नगर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। संस्था द्वारा जारी मेधावी छात्रों की सूची ने सरकारी दावों की हवा निकाल दी है। इस सूची में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले

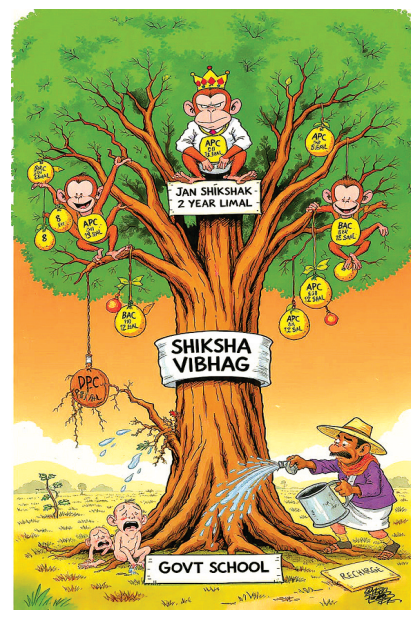

अधिकांश छात्र निजी स्कूलों के हैं।

भारी तनख्वाह और मुफ्त योजनाओं के बाद भी सरकारी स्कूल पिछड़े

विडंबना देखिए कि हर अभिभावक सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को इसलिए भेजता है क्योंकि सरकार वहां लैपटॉप योजना, साइकिल योजना, निःशुल्क ड्रेस, पुस्तक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं चला रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकारी शिक्षकों को निजी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले सरकार से मोटी तनख्वाह मिलती है। बावजूद इसके केवल प्रशासनिक लापरवाही और मॉनिटरिंग के अभाव में सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन शर्मनाक बना हुआ है।

सीहोर में डीईओ भी प्रभारी

चौंकाने वाला तथ्य यह है कि मध्य प्रदेश के कुल 55 जिलों में से केवल दमोह ही एकमात्र ऐसा जिला है, जहां नियमों के तहत परमानेंट और योग्य जिला शिक्षा अधिकारी पदस्थ हैं। शेष सभी 54 जिलों में प्रभारी के भरोसे व्यवस्थाएं राम भरोसे चल रही हैं। इन 54 जिलों में सीहोर भी शामिल है, जहां डीईओ के रूप में संजय सिंह तोमर प्रभारी के तौर पर काम देख रहे हैं।

योग्यता का अभाव

सीहोर में शिक्षा व्यवस्था चौपट होने की मुख्य वजह प्रभारी राज है। जिले में जिला परियोजना समन्वयक डीपीसी का महत्वपूर्ण पद पिछले 3 वर्षों से प्रभारी के भरोसे चल रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल ने वर्षों पहले एक स्पष्ट आदेश जारी किया था कि यदि किसी जिले में डीपीसी का पद रिक्त होता है तो उसका प्रभार अनिवार्य रूप से जिला शिक्षा अधिकारी को ही दिया जाएगा। शासन ने जूनियर अधिकारियों को कमान सौंपने पर नाराजगी भी जताई थी।

बावजूद इसके, सीहोर में वर्तमान में आरआर उइके जो कि मूलतः एक स्कूल प्राचार्य हैं, नियमों के विरुद्ध पिछले 3 साल से डीपीसी की कुर्सी पर काबिज हैं।

स्कूलों के विद्यार्थियों के वार्षिक परिणाम इस प्रकार हैं

द आक्सफोर्ड स्कूल परिणाम: आशा मेवाड़ा 93.8 प्रतिशत, कृष्णा प्रजापति 92.6, अनमोल द्विवेदी 90.2, कनिष्ठा मेचान 91.0, सौम्या राठौर 90.6 प्रतिशत।

नूतन स्कूल इंग्लिशपुरा : प्रतीक्षा त्यागी 95.8 प्रतिशत, नैतिक ठाकु र95.2, आयुषी यादव 94.2, प्रिंस कुशवाह 94.2, इशिता सक्सेना 93.0, अविश दुबे 92.4, आर्यन धर्मेला 92.4, युवराज परमार 92.2, अवनी त्यागी 91.4, दिव्यांशी परमार 91.2, वैष्णवी पटेल 91.0, काव्य वर्मा 90.6, देवांश सिंह राजपूत 90.2, प्रिंस परमार 90.2 शामिल हैं।

ब्लू बर्ड स्कूल : सुरभि साहू 94.8, वैष्णवी मालवीय 94.4, निहारिका 94.0, जागृति विश्वकर्मा 93.6, मान्या राठौर 93.2, एंजेल जैन 92.6, ध्रुव चौकसे 92.6, तेजस 92.4, राजवीर कुशवाह 92.4, प्रवेश राठौर 92.2, उजेर अहमद 92.2, समीक्षा कचनेरिया 92.2, वैष्णवी पाटिल 92.2, दिव्यांशी अग्रवाल 92.0, सक्षम राय 92.0, जयति वर्मा 91.6, चहक पुंशी 91.2, हातिम उद्दीन सैफी 91.0, पीयूष रुठिया 91.0, हावरा कासिम 91.0, मारिया उद्दीन 91.0 शामिल हैं।

नवीन विद्या मंदिर : अंजनि पाल 93.8, खुशबू भगत 95.4, प्रियांशी विश्वकर्मा 96.0, ऋषिका वर्मा 95.0, रुद्रप्रताप सिंह 91.0, साक्षी दांगी 97.2 और वंदना वर्मा 92.4 शामिल हैं।

शारदा विद्यालय : हंसिका कौशल 92.2, परमार्थ रावत 91.6और अर्पण त्यागी 90.6 प्रतिशत शामिल हैं।

स्वास्तिक स्कूल : प्राची मेवाड़ा 94.0, साक्षी मालवीय 92.0, लक्ष्मी परिहार 91.0 शामिल हैं।

मोनालिसा स्कूल : शिवानी प्रजापति 92.3, अभिनव कुशवाह 90.2 प्रतिशत।

सेंटमेरी स्कूल मण्डी : प्रतिभा गौर 96.6, तन्मय शर्मा 96.2, व्योम पाराशर 94.2, भूमिका शर्मा 93.8, जयश्री वर्मा 92.8, हर्षिता गोस्वामी 92.8, हर्षिता शर्मा 92.6, आयुषी मेवाड़ा 92.6 और सान्वी शिवहरे 91.2 प्रतिशत शामिल हैं।

लुर्द माता स्कूल : मीमांशा पुरोहित 97.2, आव्या जैन 96.8, सृजन राठी 95.6, अनुष्का सिंह सप्रे 95., वंशिका परमार 95.0, मानया यादव 93.0, कुशाग्र पारीक 93.0, सारा खान 93.0, अनव्य राय 92.8, निवोदिता बड़ोदिया 92.4, विधि परमार 92.4, अरवा हुसैन 92.0, ईशानी राय 91.8 प्रतिशत शामिल हैं।

शा. विवेकानंद स्कूल : लुभानी गोस्वामी 95.0, नीलिमा परमार 94.4, जानवी मेवाड़ा 92.8, अस्मिता राठौर 91.6, दीपक सेन 91.4, संवेदना परमार 90.4 शामिल हैं।

सुभाष स्कूल गंज : आशीष परमार 92.0 प्रतिशत।

उत्कृष्ट स्कूल क्रं. 01 : अंशुमल कुमार 92.2, भूमिका सुनील 91.4, मादिहा/मो. फहीम 91.8, आर्यन/लखन सिंह 90.4, वेदान्त चौहान 91.0, ईशा परमार 93.4, निखिल शर्मा 92.0, पायल मालवीय 93.2, शिवम इटावदिया 93.4, नेहा वर्मा 93.0, सुनीता सेन 90.6, सांझ राठौर 90.2, सृष्टी शर्मा 96.7, प्राची रुपेरिया 90.4 शामिल हैं।

केन्द्रीय विद्यालय : अनुष्का माहौर 96.6 प्रतिशत हैं।

सांदीपनि उमावि मनुबेन स्कूल : हिमांशी मालवीय 95.4, सानिया बानो 94.4, तनिश वर्मा 93.0, योगेश मेवाड़ा 92.8, पारम प्रजापति 92.4, अभिनव सेन 91.4 प्रतिशत शामिल हैं।

जनहानि को न्यौता दे रही जर्जर बिल्डिंग को तोड़े जाने की लोगों ने उठाई अवाज

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर, एसपी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जनहानी को देखते हुए सीहोर प्रतिष्ठित मनकामेश्वर मंदिर तहसील चौराहा स्थित जर्जर हो चुकी 70 वर्ष पुरानी धर्मशाला को नागरिकों की सुरक्षा एवं जनहित में तत्काल तोड़े जाने की प्रशासन से मांग को लेकर राष्ट्रीय पत्रकार कल्याण परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र खंगराले जाटव दलित चिंतक के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन कलेक्टर, एडिशनल एसपी सुनिता रावत जी को सौंपा। खंगराले ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि बारिश के मौसम को देखते हुए तथा आम नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री जिले के कलेक्टर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मांग करते हैं कि मन कामेश्वर मंदिर तहसील चौराहा के पास स्थित 70 वर्ष पुरानी धर्मशाला जो पूर्ण रूप से जर्रजर अवस्था में हैं, जो कि धीरे-धीरे टूट कर गिर रही है। तहसील चौराहा, कस्बा, गल्ला मण्डी, रेल्वे स्टेशन एवं मजदूरों का मुख्य चौराहा तथा व्यस्थम मार्ग होने के कारण समय रहते धर्मशाला को नही तोड़ा गया तो सीहोर के नागरिकों तथा आम आदमियों पर उक्त धर्मशाला कभी भी गिर सकती है। जिससे आम जनता बैंक के सामने धर्मशाला के मलवे की चपेट में आकर कई लोग मौत के काल में समा सकते हैं। नजदीक ही आस्था का केन्द्र मनकामेश्वर मंदिर व ग्रामीणजनों का आनाजाना बना रहता है। अगर कोई जनहानी होती है तो सम्पूर्ण रूप से जिला प्रशासन उसका जवाबदार होगा। कई दिनों से जनप्रतिनिधिगण व प्रतिष्ठित नागरिक उक्त जर्रजर बिल्डिंग को तोड़े जाने के लिये काफी दिनों से मांग कर रहे हैं। वहीं जिला प्रशासन इस ओर ध्यान ना देकर कुम्भकरण की नींद सो रहा है। उक्त धर्मशाला के रास्ते पर तीन प्रमुख विद्यालय के बच्चे आये दिन शिक्षा अध्ययन करने के लिये भारी मात्रा में निकलते हैं। उनके साथ भी कोई दुर्घटना घट सकती है।

मांग की गई है कि तत्काल उक्त खण्डर हो चुकी धर्मशाला को तत्काल तोड़े जाने के आदेश जारी किये जावे। ज्ञापन सौपने वालों में प्रमुख रूप से नरेन्द्र खंगराले, पूर्व पार्षद आरती खंरगाले, मनोज ओझा, जितेन्द्र आर्य, हेमराज नरवरिया, राज सूर्यवंशी, नीरज सूर्यवंशी, दिव्यांशी बिल्लोरे सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

एफआईआर नहीं होने पर पशुपालक संगठन ने सीहोर कलेक्टर-एसपी को सौंपा ज्ञापन

भेड़पालकों के डेरे से 40 भेड़ें चोरी, चरवाहे से मारपीट

सीहोर। जिले के कांकर खेड़ा में चोरों के एक गिरोह ने भेड़-बकरियों के डेरे पर हमला कर 40 भेड़ें चुरा लीं। यह घटना 17 मई की रात को हुई। पीड़ित पशुपालक विष्णु पिता दीपा देवासी ने इछावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया।

आरोप है कि बदमाश पिकअप ट्रक में आए थे और उन्होंने चरवाहों को डरा-धमकाकर दहशत फैलाई। हथियार दिखाकर चोर डेरे से 40 बड़ी भेड़ों को ट्रक में भरकर ले गए। विरोध करने पर चरवाहे विष्णु के साथ मारपीट भी की गई, जिससे वह घायल हो गए।

न्याय की मांग को लेकर कलेक्टर-एसपी को ज्ञापन

इस घटना के बाद मंगलवार को राजस्थानी पशु पालक संगठन के अध्यक्ष अशोक देवासी भोंगरा ने पीड़ित भेड़ पालक को न्याय दिलाने और चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग को लेकर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने बताया कि पिछले एक वर्ष में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से भेड़पालकों की लगभग 500 भेड़ें चोरी हो चुकी हैं। विभिन्न थानों में शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में एफआईआर तक दर्ज नहीं की जाती, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। शिकायत के अनुसार, चोरों का एक संगठित गिरोह 8-10 लोगों के साथ डेरों पर हमला करता है और भेड़ों को वाहनों में भरकर ले जाता है। ये चोर मुख्य मार्गों के बजाय सुनसान रास्तों का उपयोग करते हैं। फरियादी ने प्रशासन से एफआईआर दर्ज करने, संदिग्ध वाहनों और चोरी हुई 40 भेड़ों को बरामद कर वापस दिलाने की मांग की है।

आर्य वीरों का प्रदर्शन देख दर्शक हुए मंत्र मुग्ध, शिविर का समापन हुआ

सीहोर। विगत 10 दिनों से भारत विकास परिषद शाखा सीहोर एवं आर्य समाज गंज सीहोर के द्वारा चल रहे चरित्र निर्माण एवं व्यायाम प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी अखिलेश राय उपस्थित रहे ,विशेष अतिथि के रूप में मध्यभारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान प्रकाश आर्य तथा मंत्री अतुल वर्मा जी एवं नगर के मूर्धन्य पत्रकार रघुवर दयाल गोहिया उपस्थित हुए। इस अवसर पर सर्वप्रथम यज्ञ का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें बड़ी संख्या में शिविर में उपस्थिति युवाओं के माता पिता यज्ञ वेदी पर बैठे तथा नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी यज्ञ में भाग लिया। यज्ञ का संपादन आर्य समाज के पुरोहित धर्मेंद्र शास्त्री जी के द्वारा किया गया। इसके पश्चात शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त आर्यवीरों ने अरे वीर दल के प्रांत संचालक भेरू सिंह जी आर के नेतृत्व में लाठी, कुंगफू, कराटे एवं योग, आसन, प्राणायाम का प्रदर्शन मुख्य अतिथियों के सामने किया जिसका सभी अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों ने आनंद उठाया।

छोटे आर्य वीरों के द्वारा बनाई गई विभिन्न योग मुद्राओं को देख दर्शन अचंभित हो गए। सैनिक शिक्षा का प्रदर्शन भी आर्यवीरों द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में बोलते हुए समाजसेवी अखिलेश जी राय ने बताया कि इस तरह के शिविरों से हमारे समाज के युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, आत्मविश्वास, संस्कार, साहस और सेवा भावना जागृत होती है इस हेतु यह शिविर अत्यंत सशक्त अभियान होते हैं।

मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान प्रकाश आर्य जी ने बताया कि इन शिविरों की वास्तविक सार्थकता तब है जब कि यह बच्चे शिविर में सिखाए गए सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारें और उसी के अनुसार अपना आगे का जीवन व्यतीत करें तथा राष्ट्र समाज धर्म

के कार्यों में अपना अमूल्य योगदान दें अतिथियों का स्वागत भाषण, भारत विकास परिषद के शाखा अध्यक्ष आर्य रितेश राठौर ने किया कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात टेक्स कंसल्टेंट तथा भारत विकास परिषद के सदस्य शैलेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा किया गया ।

अन्त में आभार आर्य समाज गंज सीहोर के प्रधान नरेश चंद्र आर्य के द्वारा माना गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक नर-नारी उपस्थित हुए जिनमें प्रमुख रूप से आर्य राजेंद्र राठौर, भारत विकास परिषद के कोशाध्यक्ष अंकुश जैन, राजीव गुप्ता, अतुल राठौर काका,महेंद्र कौशल,चंद्र प्रकाश परवाल ,भारत विकास परिषद के प्रांत सह सचिव रवि ठकराल, नेहा ठकराल भारत विकास परिषद के सचिव नवीन सोनी, सुनीता सोनी, शोभा चांडक, श्वेता राठौर, मीना राठौर, गायत्री देवी आर्य, अरविंद गुप्ता ,सुरेश नेमा, पंकज मोदी, भारत सोनी, प्रदीप साबू, राम दयाल आर्य, रामदीन आर्य आर्य समाज के कोशाध्यक्ष से राजकुमार आर्य, डॉक्टर गगन नामदेव डॉक्टर सत्येंद्र तोमर रश्मि तोमर सुधीर कौशल प्रदीप वशिष्ठ दिनेश वर्मा, गगन मेहता प्रदीप आहूजा,आर्य समाज के उपप्रधान तरुण जगवानी, आर्य समाज के पुस्तकालय अध्यक्ष बाबूलाल जी आर्य तथा मोहाली आर्य समाज द्वारका प्रसाद वर्मा जगदीश वर्म उपस्थित रहे।

बिजली कटौती से भड़के ग्रामीणों ने किया विरोध-प्रदर्शन

बिजौरी गांव में घंटों गुल रहती है बिजली पेयजल संकट और गर्मी से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सीहोर जिले के बिजौरी गांव में अघोषित बिजली कटौती और लगातार ट्रिपिंग से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। भीषण गर्मी के बीच बिजली की आंख-मिचौली से नाराज ग्रामीण सड़क पर उतर आए और विद्युत वितरण कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में दिन हो या रात, बिजली कब चली जाए और कब आए, इसका कोई तय समय नहीं है। घंटों बिजली गुल रहने से लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो रही है। रात में लोग ठीक से सो नहीं पा रहे, जबकि दिन में जरूरी काम भी प्रभावित हो रहे हैं।

पेयजल संकट और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित : ग्रामीणों ने बताया कि बिजली कटौती के कारण गांव में पेयजल संकट गहरा गया है। मोटर और पंप नहीं चल पाने से पानी की समस्या बढ़ रही है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं बुजुर्ग और बीमार लोग भी गर्मी से परेशान हैं।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि बिजली कंपनी समय पर भारी-भरकम बिल वसूलने में कोई ढिलाई नहीं करती, फिर 24 घंटे बिजली सप्लाई के दावे क्यों पूरे नहीं हो रहे। उनका आरोप है कि निर्बाध बिजली सप्लाई के बड़े-बड़े दावे सिर्फ कागजों तक सीमित हैं।

शिकायत के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई

ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय स्तर पर कई बार शिकायत की गई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ आश्वासन देकर मामले को टाल देते हैं। लोगों ने जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

खबर संक्षेप

पंप ऑपरेटरों को दिया गया पानी की टंकियों की सफाई का प्रशिक्षण

सीहोर। जल गंगा अभियान के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सीहोर जनपद पंचायत सहित सभी जनपदों में पंप ऑपरेटर्स को "वॉश ऑन व्हील" के माध्यम से पानी की टंकियों की वैज्ञानिक एवं सुरक्षित तरीके से सफाई करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा टंकियों की नियमित सफाई, पानी की गुणवत्ता बनाए रखने, क्लोरीनेशन प्रक्रिया तथा स्वच्छता संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि समय-समय पर पानी की टंकियों की सफाई सुनिश्चित करना जरूरी है।

मंडी प्रेम नगर में भागवत कथा का आयोजन 1 से

सीहोर । गल्ला मंडी इंडस्ट्रियल एरिया प्रेमनगर स्थित हनुमान मंदिर परिसर पर पुरुषोत्तम ज्येष्ठ मास में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथावाचक रमेश मुदगल द्वारा एक जून से सात जून तक प्रतिदिन संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन रात्रि 7:30 बजे से किया जाएगा। क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में सोमवार एक जून को शाम 5 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी।

इ्यूटी के दौरान न तो डॉक्टर मौजूद थे और न ही पर्याप्त नर्सिंग स्टाफ, जिम्मेदारों अनदेखी से हादसे का आरोप

अस्पताल में बदहाली की हद: फर्श पर तड़पती रही गर्भवती 'विवादित' महिला डॉक्टर की वापसी से भड़का जन आक्रोश

सरकारी दावों और जमीनी हकीकत का टकराव-वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था कटघरे में, जवाबदेही तय करने की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

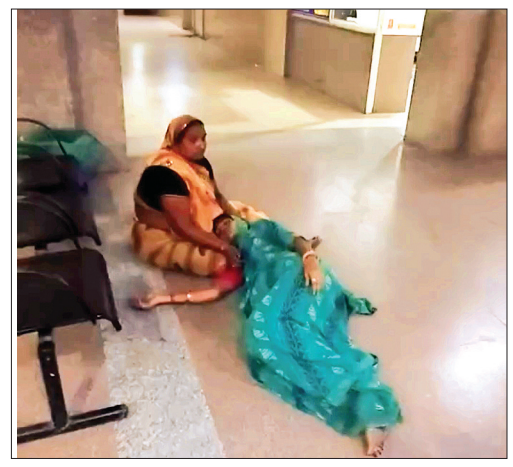

प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के दावों के बीच सीहोर जिले के भैरूंदा सिविल अस्पताल से सामने आई एक घटना ने सरकारी व्यवस्थाओं की जमीनी सच्चाई उजागर कर दी है। प्रसव पीड़ा से कराह रही एक गर्भवती महिला को न तो समय पर उपचार मिला और न ही अस्पताल में बेड उपलब्ध कराया गया। मजबूरी में महिला को अस्पताल के फर्श पर ही लेटना पड़ा। इस दौरान परिजन मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन करीब आधे घंटे तक कोई जिम्मेदार कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। स्थानीय नागरिकों ने इसे मानवीय संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ बताते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, खरसानिया निवासी एक युवक अपनी गर्भवती पत्नी को रविवार रात प्रसव पीड़ा होने पर भैरूंदा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचा था। परिजनों को उम्मीद थी कि क्षेत्र के प्रमुख सरकारी अस्पताल में तत्काल इलाज मिलेगा, लेकिन वहां का नजारा इसके बिल्कुल उलट था। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान न तो डॉक्टर मौजूद थे और न ही पर्याप्त नर्सिंग स्टाफ। महिला दर्द से तड़पती रही और अंततः उसे फर्श पर लेटने के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अस्पताल परिसर में अव्यवस्था का माहौल था। ड्यूटी कक्ष खाली पड़े थे और जिम्मेदार कर्मचारी नजर नहीं आ रहे थे। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि यदि रात के समय अस्पताल में डॉक्टर और स्टाफ उपलब्ध नहीं हैं, तो आपातकालीन सेवाओं का दावा किस आधार पर किया जा रहा है। स्थिति बिगड़ने पर बाद में औपचारिक जांच के बाद महिला को जिला अस्पताल सीहोर रेफर कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही उजागर की, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

कुछ दिनों पहले विवादित महिला डॉक्टर की वापसी होने से लोगों में बढ़ी नाराजगी

मामला उस वक्त और गंभीर हो गया जब स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि कुछ माह पूर्व नसबंदी ऑपरेशन के दौरान एक आदिवासी महिला शिवानी बारेला की मौत के मामले में विवादों में घिरी महिला डॉक्टर रुक्मणि गुलहरिया को पुनः सिविल अस्पताल भैरूंदा में पदस्थ कर दिया गया है। इस निर्णय से नागरिकों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि गंभीर आरोपों से घिरे चिकित्सकों को दोबारा जिम्मेदारी देना न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता को भी दर्शाता है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद नगर बचाओ आंदोलन के बैनर तले स्थानीय नागरिकों ने एसडीएम और सीएमएचओ को पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। इसमें अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, रात के समय आपातकालीन सेवाएं सक्रिय रखने, ड्यूटी चार्ट सार्वजनिक करने और लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

भैरुंदा अस्पताल पर कांग्रेस का तंज

बुधनी विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा ने राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भैरुंदा अस्पताल से सामने आए एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए दावा किया कि एक गर्भवती महिला को पूरी रात अस्पताल के फर्श पर पड़े रहना पड़ा, जो स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर लापरवाही और अव्यवस्था को दर्शाता है। शर्मा ने कहा कि एक ओर सरकार लाडली बहना जैसे अभियानों का प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर मरीजों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार भाषणों और आयोजनों में व्यस्त है, जबकि अस्पतालों की स्थिति बदहाल होती जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में हुए एक विवादित नसबंदी मामले में सवालों के घेरे में आए डॉक्टर को दोबारा पदस्थ कर दिया गया, जो प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। कांग्रेस नेता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और स्वास्थ्य व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग करते हुए कहा कि जनता को सिर्फ आश्वासन नहीं, बेहतर इलाज और संवेदनशील व्यवस्था चाहिए।

नागरिकों का आरोप है कि अस्पताल को रात के समय भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

'रेफर सेंटर' बनकर रह गया अस्पताल

मांग पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस अस्पताल को पूर्व में आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया था, ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि अस्पताल "रेफर सेंटर" बनकर रह गया है। यहां प्राथमिक उपचार देने के बजाय मरीजों को सीधे बड़े अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है। सोनोग्राफी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव भी मरीजों की परेशानी बढ़ा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने

जांच के आदेश, लेकिन भरोसा कम

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि उस रात ड्यूटी पर कौन-कौन कर्मचारी अनुपस्थित थे, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, आमजन का कहना है कि जांच और कार्रवाई के दावे पहले भी किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार देखने को नहीं मिलता। लोगों ने जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि प्रभावशाली क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का यह हाल है, तो दूरदराज के इलाकों की स्थिति और भी चिंताजनक हो सकती है। फिलहाल, यह घटना प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है क्या सरकारी दावे वास्तव में धरातल पर उतर रहे हैं, या फिर आमजन अब भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं।

वाले मरीजों को मजबूरन निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। सूत्रों की मानें तो कुछ चिकित्सक सरकारी सेवा के बजाय निजी प्रैक्टिस में अधिक सक्रिय हैं, जहां उन्हें आर्थिक लाभ अधिक मिलता है। यही कारण है कि अस्पताल में मरीजों को अपेक्षित समय और उपचार नहीं मिल पा रहा है।

जांच एवं कार्रवाई की जाएगी

सिविल अस्पताल भैरूंदा में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के संबंध में बीएमओ मनीष सारस्वत द्वारा जानकारी दी गई है। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों व कर्मचारियों की रिपोर्ट सीएमएचओ को भेजी जा चुकी है। पूरे मामले की आगे की जांच एवं कार्रवाई जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाएगी।

सुधीर कुशवाह, एसडीएम

ठिकाने 6 से बढ़कर 13 हुए, तीन महीने पहले मिले थे 106 गिद्ध, अब हुए 147

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले के लिए अच्छी खबर है कि यहां गिद्धों के ठिकाने बढ़कर दोगुने से ज्यादा हो गए। तीन महीने पहले हुई गणना से अब जिले में 41 गिद्ध ज्यादा मिले हैं। पिछले साल गिद्ध गणना के दौरान जिले में 6 ठिकानों पर 164 गिद्ध मिले थे। वर्ष 2022 में जिले में गिद्धों की संख्या 99 थी। फरवरी 2024 में हुई गणना में जिले में 135 गिद्ध मिले थे। 2025 में जिले में कुल 164 गिद्ध गणना में सामने आए थे। इस बार मिले 147 गिद्धों में से अधिकांश गिद्ध देशी हैं। इसके साथ ही इजिप्शियन प्रजाति के गिद्ध भी यहां मिले हैं।

जिले में गिद्धों के 13 ठिकाने प्रमुख रूप से हैं। सीहोर में गिद्ध कोनाझिर के पास हसनाबाद के जंगल में सबसे ज्यादा गिद्ध है। इसके साथ ही वीरपुर के लोहापठार, बुदनी क्षेत्र खटपुरा और सईदगंज में पत्थरों के बीच गिद्धों के प्राकृतिक आवास मिले हैं। गिद्धों के 7 नए आवास मिले हैं। जिससे उम्मीद की जा रही है कि अब गिद्धों की संख्या और बढ़ेगी।

गिनती करना बेहद कठिन, 5 मिनट खड़े रहना मुश्किल

वन विभाग के एसडीओ राजेश शर्मा के अनुसार वन अधिकारी और वन विभाग का अमले द्वारा पिछले तीन दिनों से गिद्धों की गणना की गई है। गिद्धों की गणना करना बेहद कठिन काम है। गिद्ध वहां पाए जाते हैं, जहां पर अकसर ग्रामीण मृत जानवरों को फेंकते हैं। गिद्धों को करीब से देखने के लिए मृत जानवरों के पास तक जाना पड़ता है। बदबू की वजह से 5 मिनट भी एक स्थान पर खड़े रहना मुश्किल होता है।

दलित परिवार पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में जाटव समाज कल्याण संगठन ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग की

सीहोर। कालापीपल मण्डी में सोमवार, 25 मई को दलित परिवार पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सीहोर जाटव समाज कल्याण संगठन के अध्यक्ष मनोज फरेला के नेतृत्व में सीहोर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। कमल किशोर जाटव ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि शाजापुर जिले के कालापीपल मण्डी में सोमवार को भूमि विवाद को लेकर दलित परिवार पर बन्दुक चलाई गई, जिससे एक व्यक्ति को 6 एवं दुसरे को एक गोली लगी है, बाकि के परिजनों को बेरहमी से लाठी से पीटा गया है, जिसके कारण पीड़ित परिवार के कुछ जिन्दगी और मौत से जूझ रहे हैं, परन्तु अरोपियों को अभी गिरफ्तार नही किया गया है। जिसके विरोध में ज्ञापन सौंपा गया है, जिसमें मांग की गई है कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करते हुए अरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर जैल भेजा जावे। अन्यथा संगठन उग्र आन्दोलन करने को विवश होगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से नरेन्द्र खंगराले, मनोज फरेला, नरेन्द्र बनवईया, समाजसेवी सन्नी जाटव, समाजसेवी अभय कुमार अहिरवार, टीटु कचनेरिया, कमल किशोर जाटव, युवा नेता शुभम कचनेरिया, हेमन्त भारती, राहुल जाटव, कपिल पुरवैया, उमेश मंगरोलिया, एडवोकेट रविन्द्र मेचन, जुगल सुनेरिया, हितेन्द्र कचनेरिया, भोपाल कचनेरिया, प्रिंस राज अहिरवार, युवराज अहिरवार, कैशव कोटिया,जयराम जाटव, अनुराग जाटव सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

समय सीमा के टकराव ने बढ़ाई मुश्किलें, पटवारी संघ का प्रशासनिक समन्वय पर सवाल, कलेक्टर के नाम ज्ञापन

गिरदावरी अधूरी, पंजीयन बंद: मूंग किसानों की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

जायद सीजन में मूंग की फसल इस बार किसानों के लिए राहत के बजाय नई परेशानी लेकर आई है। तहसील क्षेत्र में करीब 42 हजार हेक्टेयर में बोई गई मूंग की फसल अब कटाई के अंतिम चरण में है, लेकिन गिरदावरी और पंजीयन की समयसीमा में तालमेल न होने से किसान असमंजस और चिंता में हैं। खेतों में फसल कटकर खलिहानों में पहुंच चुकी है, वहीं पंजीयन की अंतिम तिथि निकल चुकी है, जबकि गिरदावरी का कार्य अभी अधूरा है। इस विसंगति ने किसानों को प्रशासनिक व्यवस्था के बीच फंसा दिया है।

किसानों की स्थिति यह है कि वे अपनी फसल का पंजीयन कराने के लिए लगातार तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। कई किसान पटवारियों से गिरदावरी अपडेट कराने के लिए दबाव बना रहे हैं, ताकि उनकी फसल पोर्टल पर दर्ज हो सके और वे सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें। हालांकि, पटवारी भी सीमित संसाधनों और प्रशासनिक निर्देशों के दबाव में काम कर रहे हैं। ऐसे में वे न तो समय पर गिरदावरी पूरी कर पा रहे हैं और न ही किसानों को संतोषजनक जवाब दे पा रहे हैं।

इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। सोमवार को मध्यप्रदेश पटवारी संघ, तहसील इकाई भैरूंदा ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए तहसीलदार सौरभ शर्मा के माध्यम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने स्पष्ट किया कि भू-संसाधन विभाग द्वारा जायद फसल की गिरदावरी 21 मई से 5 जुलाई तक करने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि किसान कल्याण विभाग ने मूंग फसल पंजीयन की अंतिम तिथि 25 मई निर्धारित कर दी। इस विरोधाभासी समयसीमा के चलते गिरदावरी पूरी होने से पहले ही पंजीयन प्रक्रिया बंद हो गई, जिससे किसानों को सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है। पटवारी संघ के अनुसार वर्तमान में लगभग 50 प्रतिशत मूंग की फसल की कटाई हो चुकी है और शेष फसल भी जल्द ही कटने वाली है। ऐसे में जियो-टैगिंग के माध्यम से खेत-खेत जाकर गिरदावरी करना बेहद समयसाध्य और चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसके अलावा, पहले से कार्यरत अनुभवी सर्वेयरों की आईडी बंद कर नए युवाओं को जिम्मेदारी सौंपने के निर्देशों ने कार्य की गति को और प्रभावित किया है। इससे न केवल काम धीमा हुआ है, बल्कि त्रुटियों की आशंका भी बढ़ गई है।

संघ ने ज्ञापन में मांग की है कि जियो-टैगिंग की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए और पूर्व में कार्यरत सर्वेयरों की आईडी पुनः सक्रिय की जाए, ताकि गिरदावरी कार्य समयसीमा में पूरा किया जा सके।

साथ ही, पंजीयन की अंतिम तिथि को गिरदावरी पूर्ण होने तक बढ़ाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई है। यदि प्रशासन ने समय रहते इस विसंगति का समाधान नहीं किया, तो इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ेगा और वे सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकते हैं। साथ ही, शिकायतों का सिलसिला बढ़ने की भी संभावना है। पटवारी संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि गिरदावरी में किसी प्रकार की त्रुटि सामने आती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

छात्र-छात्राओं को भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया गया

शिक्षा कुंज 0.2 अभियान: संदीपनी स्कूल में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

शासकीय महाविद्यालय भैरूंदा द्वारा जिला कलेक्टर सीहोर के निर्देशानुसार संचालित शिक्षा कुंज 0.2 कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इसी क्रम में शासकीय संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल भैरूंदा में कॉलेज चलो अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को कॉलेज प्रवेश और भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की टीम ने विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों, पाठ्यक्रमों एवं करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि अलग-अलग विषयों के माध्यम से रोजगार के अवसर कैसे प्राप्त किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व और बदलते समय में डिग्री की उपयोगिता के बारे में समझाया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. मीना के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, संबल योजना, मेधावी योजना, सेंट्रल सेक्टर योजना, गांव की बेटी योजना सहित अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पुस्तक एवं स्टेशनरी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इन योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य शैलेन्द्र लोया की उपस्थिति रही। वहीं कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. भारत सिंह रेकवाल के साथ डॉ. देवेंद्र मालवीय, डॉ. नीतू पवार, डॉ. दीपेश गौर, मोहित गर्ग एवं प्रणीता यादव ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। टीम ने छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग करते हुए उन्हें महाविद्यालय में प्रवेश लेने और उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने भी उच्च शिक्षा के प्रति रुचि दिखाई और महाविद्यालय में प्रवेश लेने को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। यह अभियान क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने और युवाओं को उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सांदीपनि विद्यालय में शिक्षापुंज शिविर आयोजित विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने पर दिया जोर

बुधनी। शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को कॉलेज ड्रॉपआउट विद्यार्थियों के लिए "शिक्षापुंज 0.2 कार्यक्रम" अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं पालकों को उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों संबंधी जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी डॉ. शशि सिंह,कॉलेज प्राचार्य रंजीता सिंह, संस्था प्रधान सुधा सालोमन,संकुल प्राचार्य ओपी यादव, जोशीपुर प्राचार्य राजकुमार मिश्रा सहित शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। शिविर में पूर्व सूचना के माध्यम से सांदीपनि विद्यालय एवं जनशिक्षा केंद्र अंतर्गत शासकीय एवं अशासकीय हाई और हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों तथा उनके पालकों को आमंत्रित किया गया था कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, पालक एवं शिक्षक उपस्थित रहे

शासकीय कॉलेज के प्राचार्य एवं स्टाफ सदस्य डॉ. संतोष कापसे,डॉ.ताज कुरैशी,ममता यादव, मुकेश साहू,रेणुका खोल और स्वाति गौर ने विद्यार्थियों को विभिन्न कॉलेज पाठ्यक्रमों,उनकी विशेषताओं तथा भविष्य में रोजगार की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी साथ ही विद्यार्थियों एवं पालकों की काउंसलिंग कर उन्हें उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज से पढ़ाई छोड़ चुके विद्यार्थियों को पुनः मुख्य शिक्षा धारा से जोड़ने एवं उन्हें कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया कार्यक्रम के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए संचालन संस्था उपप्राचार्य सुरेंद्र सिंह जामलिया ने किया। इस अवसर पर बकतरा हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य राजेंद्र चौहान, टीटीसी स्कूल से नरेंद्र तिवारी,जहाजपुरा स्कूल से राजीव दुबे सहित जीपी दायमा, कमल सिंह मालवीय, प्रभात शर्मा,कृति शिवहरे,वीणा शिवहरे,श्वेता पाठक, अरविंद गौर,विजय गौर और इरफान खान सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जिला प्रशासन और प्रबुद्धजनों के सहयोग से श्रमदान, रैली निकाली

नेवज को सहेजने के लिए उठे सैकड़ों हाथ, तगारी उठाई श्रमदानकर की सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

जल गंगा सरंक्षण अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा जिले के नदियों, कुओं, बावड़ियों को संवारने का कार्य सतत रूप से जारी है। इसी कड़ी में गंगा दशमी के तहत कल सोमवार तड़के नगर प्रशासनिक अमले, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से राजगढ़ की जीवनदायिनी नेवज नदी पर वृहद स्तर पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रमदान के पूर्व करीब 3 सैकड़ा से अधिक ऊर्जावान लोग स्थानीय पारायण चैक में एकत्रित हुए और नेवज नदी तक एक रैली निकालते हुए पहुंचे। रैली से भी पर्यावरण जागरुकता का संदेश दिया गया और कोई भी व्यक्ति बाईक, कार से शामिल नहीं हुआ बल्कि सायकल और ई-स्कूली एवं पैदल चलते हुए रैली में शामिल हुआ। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यह रैली नेवज नदी के तट पर पहुंची। रैली में जिला पंचायत सीईओ डॉ. इच्छित गढ़पाले, एसडीएम निधि भारद्धाज, एडिशनल एसपी केएल बंजार, एसडीओपी अरविंद दिवाकर, डिप्टी कलेक्टर ज्योति राजौर, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद साहू, मंडल अध्यक्ष सचिन मौर्य, नगर पालिका सीएमओ पवन अवस्थी, लाल चुनर गैंग प्रमुख मोना सुस्तानी सहित विभिन्न विभाग प्रमुख अमले के साथ सम्मिलित हुए।

विसर्जन कुंड पर की गई सफाई

नदी पर पहुंचे नागरिकों ने नेवज के वेस्टवेयर यानिकी विसर्जन कुंड पर हाथों से पूजा-सामग्री बाहर निकाली और देखते ही देखते हुए पूरा कुंड साफ कर दिया। इसके उपरान्त सभी ने नेवज के दूसरी तरफ सफाई की बागडोर सम्हाली और हाथों में कुदारी, तगारी, फावड़े उठाकर वहां भी काफी समय तक मलबा आदि निकाला। नगर पालिका का स्वच्छता अमले ने इस कार्य में पूरा सहयोग प्रदान किया।

नेवज बचाने की शपथ दिलवाई गई

श्रमदान उपरान्त सभी को सामुहिक रूप से जल बचाने और स्वच्छता की शपथ दिलवाई गई। इसके उपरान्त कुछ प्रबुद्धजनों द्वारा नौका विहार करते हुए नदी के किनारे की पुरातात्विक धरोहरों आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

इन विभागों का रहा सहयोग

आयोजन में जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय, डीपीसी कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों का सहयोग मिला।

गंगा दशमी पर गाड़ गंगा नदी की साफ सफाई कर की पूजा अर्चना

खिलचीपुर। प्रदेश में चल रहे जल संवर्धन आयोजन के तहत जन अभियान परिषद जिला राजगढ़ विकास खंड खिलचीपुर की नगर विकास प्रस्फुटन समिति ने गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जीवन दायिनी मां गाड़ गंगा नदी में घाटों की साफ सफाई कर पूजन अर्चना की। इस मौके पर समिति अध्यक्ष देवेंद्र कुमार शर्मा आचार्य और सचिव रघुवीर आचार्य ने अपनी टीम के साथ सोमवार को जल संवर्धन कार्यक्रम के तहत नदी की साफ-सफाई करवाई। जिसमें नगर के समाजसेवीयों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया।

आर्थिका माता दुर्घटना प्रकरण

साधु-संतों की सुरक्षा को लेकर जैन समाज ने ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति लागू करने तथा आर्थिका माता दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर सकल जैन समाज के तत्वावधान में सोमवार को मौन रैली निकाली गई। समाजजन श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर से एकत्रित होकर मौन रैली के रूप में अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां तहसीलदार आकाश शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में जैन समाज ने हाल ही में विहाररत पआर्थिका माता के साथ हुई दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना केवल सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं प्रतीत होती। उपलब्ध तथ्यों, वीडियो क्लिपों एवं परिस्थितियों के आधार पर समाज में आशंका और चिंता का वातावरण बना हुआ है। समाज ने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की। समाजजनों ने बताया कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक, निहत्थे एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं। वे किसी प्रकार की सुरक्षा या भौतिक सुविधाओं का उपयोग नहीं करते तथा समाज में शांति, संयम, करुणा और अहिंसा का संदेश देते हैं। ऐसे संतों के साथ लगातार बढ़ती दुर्घटनाएं एवं हमले अत्यंत चिंताजनक हैं। ज्ञापन के माध्यम से जैन समाज ने मांग की कि आर्थिका माताजी प्रकरण की एसआईटी अथवा न्यायिक जांच कर दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही "संत सुरक्षा प्रोटोकॉल" तत्काल लागू कर विहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग सुनिश्चित किया जाए।

समाज ने पैदल विहार करने वाले संतों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा गाइडलाइन बनाने तथा संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में शामिल करने की भी मांग की। इस दौरान सकल जैन समाज अध्यक्ष नरेंद्र जैन, पूर्व अध्यक्ष निर्मल जैन, सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष मनोज जैन, श्वेतांबर मूर्ति पूजा संघ अध्यक्ष प्रदीप बरडिया, महामंत्री अरविंद चैधरी, कोषाध्यक्ष अनिल जैन, दीपक जैन, विवेक जैन, विजय जैन, लतेश सिंघई, चंद्रकुमार जैन, दिनेश लोढ़ा, विजय बरडिया, अजय जैन, सुधीर श्रीमाल, सुबोध श्रीमाल, दिलीप श्रीमाल, संजय जैन, सुरेश जैन, अरुण जैन, वीरेंद्र बरडिया, पारस जैन सहित समाजजन एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

तालाबों और जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लें: टेटवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

गंगा दशहरा के पावन पर्व पर सोमवार को सारंगपुर के प्रसिद्ध तीर्थ कपिलेश्वर महादेव के पावन धाम में राज्य मंत्री गौतम टेटवाल के द्वारा माँ कालीसिंध नदी का विधिवत वैदिक सनातन पद्धति से पूजन-अर्चन किया एवं चुनरी अर्पित कर प्रदेश की खुशयाली एवं समग्र विकास के साथ आम जन को शुद्ध जल प्राप्त हो ऐसा मां कालीसिंध से आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजन अर्चन के बाद जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण एवं स्वच्छता के संकल्प को साकार करने हेतु माँ कालीसिंध के घाट की सफाई अभियान में सहभागिता कर श्रमदान किया। इस अवसर पर मंत्री टेटवाल ने कहा -जल स्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन को सांस्कृतिक विरासत बताया -साथ ही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल उपाध्यक्ष प्रतिनिधि नीलेश वर्मा एसडीएम रोहित बम्होरे,जनपद सीईओ हेमेंद्र गोविल,नगर पालिका सीएमओ दीपक रानवे सहित, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी, नगर पालिका कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

नकदी संकट से मंडी व्यवस्था प्रभावित, नीलामी बंद रही

नकद भुगतान की मांग पर किसानों ने किया हाईवे जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरसिंहगढ़

कृषि उपज मंडी में नकद भुगतान को लेकर उपजा विवाद अब और गहरा गया है। सोमवार को बड़ी संख्या में किसानों ने अपनी उपज का नगद भुगतान नहीं मिलने से नाराज होकर हाईवे पर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों का कहना था कि फसल बेचने के बाद उन्हें तत्काल नकद भुगतान नहीं मिल रहा, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सुशील कुमार ने मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा कर समझाइश दी। काफी देर चली बातचीत के बाद किसानों ने प्रदर्शन

समाप्त किया। एसडीएम ने किसानों से कहा कि बैंकों में पर्याप्त नकदी उपलब्ध होने तक डिजिटल भुगतान व्यवस्था को अपनाया जाए, ताकि भुगतान प्रक्रिया प्रभावित न हो।

इधर मंडी प्रबंधन ने भी स्पष्ट किया है कि आगामी दिनों में आरटीजीएस अथवा अन्य डिजिटल माध्यम से भुगतान स्वीकार करने वाले किसानों की उपज की ही नीलामी की जाएगी। मंडी प्रशासन द्वारा इस संबंध में सूचना जारी करने की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि नकदी संकट के कारण पिछले दिनों भी मंडी में नीलामी प्रक्रिया आधे दिन तक प्रभावित रही थी। किसानों की नगद भुगतान की मांग और व्यापारियों की नकदी उपलब्ध नहीं होने की समस्या के चलते सुबह से दोपहर तक नीलामी ठप रही थी। बाद में प्रशासन की मध्यस्थता के बाद प्रति किसान 5 हजार रुपए नगद और शेष राशि आरटीजीएस से देने पर आंशिक सहमति बनी थी, जिसके बाद नीलामी शुरू हो सकी थी। हालांकि लगातार बनी अनिश्चितता और भुगतान व्यवस्था में आ रही दिक्कतों को देखते हुए मंडी प्रबंधन ने मंगलवार को भी मंडी में नीलामी बंद रखने का निर्णय लिया है। मंडी सूत्रों के अनुसार, बैंकों में पर्याप्त नकदी उपलब्ध होने के बाद ही व्यवस्था को पुनः सामान्य किया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द स्थिति सुधरने पर मंडी का संचालन नियमित रूप से प्रारंभ हो सकेगा। मंडी के जानकारों के अनुसार, एक दिन मंडी बंद रहने से करीब 7 लाख रुपए के मंडी टैक्स का नुकसान होता है। इसके साथ ही किसानों, व्यापारियों और हम्मालों सहित मंडी से जुड़े अन्य व्यवसायों की आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं।

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर लगाई गुहार

सीएमएचओ के तबादले ने अटकाया कई कर्मचारियों का वेतन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

पिछले दिनों राजगढ़ मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. शोभा पटेल के लोकायुक्त द्वारा पकड़ाने के बाद उनका स्थानांतरण शाजापुर कर दिया गया था। बाद में जब वे रिलीव और बाद में पुनः जिले में आने से उनकी आईडी नहीं बन पाई। यही कारण है कि विभाग के मैदानी अमले को बीते चार महीने से तनख्वाह का एकधेला भी नहीं मिला है। विभाग के जिम्मेदार भी नई आईडी बनाने और बैंक साइन चेंज करवाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। आर्थिक तंगी से परेशानी सभी आशा एवं आशा पर्यवेक्षक सोमवार भरी दोपहरी में कलेक्टर से गुहार लगाने पहुंचे। यहां सभी ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर वेतन सहित अन्य भत्ते आदि दिलवाने की मांग रखी अन्यथा की स्थिति में कामबंद हड़ताल की चेतावनी दी गई।

एवीडी का भुगतान चार महीने से लंबित

स्वास्थ्य विभाग में ही टीकाकरण शाखा से संलग्न एवीडी(सेंटरों तक वैक्सीन पहुंचाने वाले) कर्मचारियों को भी चार महीने से उनके पारिश्रमिक का भुगतान विभाग ने नहीं किया है। ऐसे में आर्थिक तंगी से जूझ रहे सभी एवीडी भी कलेक्टेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर अधिकारियों को अपनी पीड़ा, परेशानी से अवगत कराया। अधिकारियों ने जल्द भुगतान करवाने का आश्वासन इन कर्मचारियों को दिया है।

दीपक की लौ से जली हनुमान की प्रतिमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

कोतवाली थानाक्षेत्र समीपस्थ अजीतगढ़ ग्राम में एक निजी व्यक्ति के खेत में बने चबूतरे पर विराजित हनुमानजी की प्रतिमा रविवार रात्रि अचानक जल गई। सुबह जब खेत मालिक बालू बनावड़े, सतीश बनावड़े, सेठी बनावड़े मंदिर पहुंचे तो उन्हें हनुमान प्रतिमा पूरी जली हुई मिली। इस बात की सूचना तुरंत राजगढ़ कोतवाली टीआई मंजू मखेनिया को दी गई। उन्होंने पुलिस टीम के साथ पहुंचकर मौका मुआयना किया। जांच में सामने आया कि रात में किसी श्रद्धालु द्वारा दीपक जलाया गया था वह दीपक हनुमानजी के चैले के पास रख दिया। ऐसे में हवा के कारण चैले आग पकड़ दी और प्रतिमा सुबह होते-होते पूरी तरह जलकर खंडित हो गई। टीआई मंजू मखेनिया ने बताया कि नई प्रतिमा की स्थापना करवाई जा रही है। उसके लिए नरसिंहगढ़ से नई मूर्ति मंगवाकर पंडित, पुजारियों द्वारा विधिवत रूप से प्राण-प्रतिष्ठा करवाई जाएगी। खेत मालिक सतीश बनावड़े ने बताया कि तब तक मंदिर को कवर्ड करवा दिया गया है। आगामी दिनों में प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन रखवाया जाएगा।

नई दिल्ली में "नेशन फर्स्ट"

नरसिंहगढ़ विधायक ने की सहभागिता शिक्षा व स्वास्थ्य विषय पर फोकस रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरसिंहगढ

सोमवार को देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय "नेशन फर्स्ट" कार्यक्रम में देशभर से चयनित 50 सांसद, विधायकों ने भाग लिया। इस विशेष कार्यक्रम में नरसिंहगढ़ विधायक मोहन शर्मा भी शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनहित से जुड़े विषयों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों एवं नीति निर्माताओं द्वारा शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इसमें जनप्रतिनिधियों को आधुनिक प्रशासनिक कार्यप्रणाली और नवाचार आधारित विकास मॉडल की जानकारी दी गई। विधायक मोहन शर्मा ने कार्यक्रम में सहभागिता को क्षेत्र के विकास के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से नई योजनाओं और कार्यपद्धतियों को समझने का अवसर मिलता है, जिसका लाभ आमजन को मिलेगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए जनप्रतिनिधियों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

पैर फिसलने से घर की छत से गिरकर युवक की मौत

सारंगपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम तलेनी में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम तलेनी निवासी गोपाल सिंह पिता शिवपाल सिंह (35) रात के समय अपने घर की छत पर मौजूद था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह छत से नीचे गिर पड़ा। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन तत्काल घायल युवक को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सारंगपुर लेकर पहुंचे। अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर द्वारा प्राथमिक परीक्षण किया गया, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। युवक की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की। सोमवार सुबह पुलिस की मौजूदगी में युवक का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। प्रारंभिक जनचर्चा के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी बताया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि घटना के समय वह शराब के नशे में था और इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से छत से नीचे गिर गया। हालांकि पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

मानसिक रूप से परेशान युवक तुषार की तालाब में डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ खुजनेर

नगर के समीप बाडलावदा तालाब में सोमवार दोपहर एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। तालाब में शव दिखाई देने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए मृतक की पहचान तुषार शर्मा पिता नरेन्द्र तिवारी निवासी वार्ड क्रमांक 05 दशहरा मैदान, खुजनेर के रूप में हुई है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाया इसके बाद पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है पुलिस द्वारा परिजनों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है बताया जा रहा कि कुछ वर्ष पहले मृतक तुषार शर्मा के छोटे भाई की भी इसी तालाब में डूबने से मौत हुई थी घटना के समय युवक के पिता नरेंद्र तिवारी किसी कार्यक्रम में गए हुए थे। मृतक तुषार शर्मा के दो छोटे बच्चे हैं, जिनके सिर से अब पिता का साया उठ गया है। तुषार थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ भी करता था।

इनका कहना है

युवक मानसिक रूप से परेशान था और उसका इलाज गुना के किसी अस्पताल में चल रहा था घटनास्थल से बाइक, चाबी और एक थैला मिला है मामले की जांच जारी हैं।

रवि ठाकुर, थाना प्रभारी खुजनेर

शासकीय भूमि पर कब्जा और अवैध कॉलोनी निर्माण का मामला

अतिक्रमण हटाया, प्रशासन ने कराई खंती खुदाई

सारंगपुर। नगर के वार्ड क्रमांक 18 स्थित जयनगर-आगर रोड क्षेत्र में शासकीय भूमि पर कब्जे और अवैध कॉलोनी निर्माण के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए रेशम विभाग की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। यह मामला उस समय सामने आया जब "आनंद विहार कॉलोनी" नाम से विकसित की जा रही कॉलोनी पर शासकीय भूमि पर कब्जा कर प्लॉटिंग की तैयारी करने के आरोप लगे। रेशम विभाग द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) रोहित बम्होरे को लिखित शिकायत सौंपकर बताया गया कि विभाग की भूमि सर्वे क्रमांक 161 रकबा 0.101 पर कॉलोनाइजर द्वारा अतिक्रमण कर कॉलोनी का बोर्ड लगाया गया है तथा सीमांकन प्रभावित किया जा रहा है।

अनेकों से विकसित अवैध कॉलोनियां, बिना अनुमति बेचे जा रहे प्लॉट, मूलभूत सुविधाएं नहीं

शासकीय जमीन पर काट दी कॉलोनी अवैध प्लॉटिंग का खेल धड़ल्ले से जारी

विभाग ने प्रशासन से सीमांकन करवाकर अतिक्रमण हटाने और संबंधित कॉलोनाइजर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के बाद एसडीएम रोहित बम्होरे के निर्देश पर तहसीलदार आकाश शर्मा राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने जेसीबी मशीन से खंती खुदवाकर शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। क्षेत्र में लगातार विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों को लेकर स्थानीय लोगों में भी चिंता बनी हुई है। लोगों का कहना है कि बिना अनुमति कॉलोनियां विकसित होने से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण बढ़ रहा है। इस कार्रवाई के बाद अन्य कॉलोनाइजरों में हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है।

आयोजन हेतु बैठक संपन्न

पुष्पद समाज धर्मशाला में 31 से होगी संगीतमय कथा

राजगढ़। स्थानीय पुष्पद समाज धर्मशाला परिसर में 24 मई को समाजजनों की एक अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि धर्मशाला परिसर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करवाया जाएगा।

यह कथा 31 मई से आरंभ होकर 6 जून तक अनवरत चलेगी। कथा के प्रथम दिवस धर्मशाला से एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। शोभायात्रा घूमघाटी श्रीनाथ जी मंदिर के समीप शिवघाट से आरंभ होकर धर्मशाला परिसर पहुंचेगी। इसके उपरान्त सात दिवसीय संगीतमय कथा का आरंभ होगा आचार्य दिलीप सारस्वत अपने मुखारविंद से भक्तों को कथा का रसपान करवाएगा। समाजजनों ने अधिकाधिक भक्तों से प्रतिदिन कथा श्रवण करने आने का आगृह किया है।

ब्यावरा-गुना रोड पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ी बाइक

खुजनेर के गल्ला व्यापारी की हादसे में मौत, साथी घायल

ब्यावरा. शहर के गुना रोड स्थित द्वारका होटल के पास सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में खुजनेर के एक गल्ला व्यापारी की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार उनका साथी घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार खुजनेर निवासी गोपाल पिता कन्हैयालाल राठौर (करीब 50 वर्ष) अपने साथी भागवत पिता मांगीलाल सेन (30 वर्ष) के साथ बाइक से गुना की ओर से ब्यावरा आ रहे थे। इसी दौरान द्वारका होटल केपास सामने से आ रही कचरा ढोने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। इसी बीच वहां से गुजर रही डायल-112 टीम को घटना की जानकारी लगी। पुलिस ने तत्काल घायलों को वाहन से सिविल अस्पताल ब्यावरा पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद गोपाल राठौर को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल भागवत सेन का उपचार जारी है। गोपाल राठौर खुजनेर के गल्ला व्यापार से जुड़े थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पहचान थी। उनके निधन की खबर मिलते ही परिजन और परिचित अस्पताल पहुंच गए। परिवार में शोक का माहौल है। खुजनेर में भी व्यापारी की मौत की खबर फैलते ही लोगों में दुख की लहर फैल गई पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौके पर पुलिस व्यवस्था संभालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में एएसआई राकेश शर्मा की भूमिका रही।

खबर संक्षेप

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

आष्टा। प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार महेश कुमार चैहान, प्रथम जिला न्यायाधीश के द्वारा जागृत्ति योजना 2025 के अंतर्गत सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य अभियान में पॉक्सो अधिनियम के संबंध में पुलिस विभाग के साथ संवेदीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत स्थान एडीआर सेंटर आष्टा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया । जिसमें उप-निरीक्षक अशोक दुबे थाना सिद्धीकगंज, उप-निरीक्षक हीरेश सोनी थाना पार्वती, उप-निरीक्षक राजकुमार यादव थाना आष्टा, उप-निरीक्षक दिनेश सिंह यादव थाना-जावर द्वारा पॉक्सो एक्ट के संबंध में चर्चा की गई।

कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक इंजीनियर

आष्टा। नई दिल्ली में पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की गरिमामयी उपस्थिति में मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह जी चौहान द्वारा लिखित पुस्तक अपनापन - नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव का विमोचन कार्यक्रम में किया गया। आष्टा से विधायक गोपालसिंह इंजीनियर दिल्ली पहुचे ओर उक्त कार्यक्रम में शामिल हुए। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने बताया की यह पुस्तक प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी नेतृत्व, जनसेवा के प्रति समर्पण एवं राष्ट्र प्रथम की भावना प्रस्तुत करती है।

साधु-संतों ने देखे खेड़ापति हनुमान मंदिर और तालाब के विकास कार्य

प्रतिनिधि ने धार्मिक स्थल के विकास कार्यों की कार्ययोजना से कराया अवगत

नपा प्रतिनिधि मेवाड़ा ने बताया कि पूर्व में खेड़ापति मार्ग संकरा था, जिसका चौड़ीकरण कर सुव्यवस्थित किया जा रहा है। वहीं तालाब की पाल को मजबूत करने से पिंचिंग कार्य भी किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर के प्राचीन और ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार एवं सुदृढीकरण की दिशा में नगर पालिका द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। महामंडलेश्वर एवं मां अन्नपूर्णा मंदिर के प्रमुख महंत दीपकदास त्यागी महाराज के पावन सानिध्य में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पार्षदों की टीम ने प्राचीन धार्मिक स्थल श्री हनुमान जी महाराज खेड़ापति सरकार एवं खेड़ापति तालाब पर किए गए विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर महाराजश्री ने किए गए कार्यों की सराहना की और पूरी टीम को अपना मंगलमय आशीर्वाद प्रदान किया। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने महाराजश्री को धार्मिक स्थल के आगामी चरण के विकास कार्यों की विस्तृत कार्ययोजना से अवगत कराया। महाराजश्री ने पूरी कार्ययोजना को ध्यान से समझा और क्षेत्र की ऐतिहासिक महत्ता को बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया।

विकास कार्यों की मुख्य झलकियां

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि खेड़ापति मंदिर नगर का प्राचीन मंदिर है, जिससे नगर के हजारों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी है। यहां दर्शनार्थ हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन प्रतिदिन आते है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगरपालिका द्वारा जहां सर्वसुविधायुक्त शौचालय का निर्माण कराया गया, वहीं रात्रि में अंधेरा दूर करने के लिए हाई मास्ट लाईट भी स्थापित की गई।

खेड़ापति तालाब सुंदर दर्शनीय स्थल के रूप में होगा विकसित

श्री मेवाड़ा ने बताया कि पूर्व में खेड़ापति मार्ग काफी संकरा था, जिसका चौड़ीकरण का कार्य कर मार्ग को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। वहीं तालाब की पाल को मजबूत करने के लिए पत्थरों से पिंचिंग कार्य भी किया जा रहा है। नागरिकों की सुविधा के लिए तालाब के आसपास लोहे के पाईप की रैलिंग लगाई गई है। श्री मेवाड़ा ने कहा कि नगरपालिका द्वारा अपनी आगामी कार्ययोजना में इस तालाब को सुंदर दर्शनीय स्थल का स्वरूप देने के लिए पूर्ण प्रयास किया जा रहा है। जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को एक दिव्य और सुगठित वातावरण मिल सके। इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, थाना प्रभारी गिरीश दुबे, भाजपा जिला महामंत्री तारा कटारिया, पार्षद कमलेश जैन, रवि शर्मा, तेजसिंह राठौर, सकल हिन्दू समाज अध्यक्ष नरेन्द्र कुशवाह, मनीष डोंगरे, देवकरण पहलवान सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश दिलाने लगा शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर के सांदीपनि शासकीय उमावि आष्टा में 26 मई को कलेक्टर जिला सीहोर के मार्गदर्शन में संचालित शिक्षापुंज 0.2 कार्यक्रम के तहत कक्षा 10वीं उत्तीर्ण बच्चों के डिप्लोमा कोर्स एवं 12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा हेतु कॉलेज में प्रवेश के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया है, ताकि पॉलिटेक्निक एवं डिग्री कॉलेज में बच्चों को जानकारी के अभाव में सीट खाली रहने वाली सीट समय सीमा में भरी जा सकें। इसी तारतम्य में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जिला सीहोर के आदेशानुसार शिक्षापुंज शिविर का आयोजन प्रातः 10:00 से सायं 04:00 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यापर्ण एवं दीपप्रज्वलन उपस्थित अतिथियों के द्वारा किया गया।

शिक्षापुंज कार्यक्रम में आष्टा विकासखण्ड के शासकीय, अशासकीय विद्यालय के प्राचार्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते हुए संस्था प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि इस शिक्षापुंज कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है, अपने विद्यालय एवं ग्राम-नगर में अप्रवेशित विद्यार्थियों को जैसे कक्षा 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी को डिप्लोमा कोर्स एवं 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु महाविद्यालय में प्रवेश दिलाना। इस अवसर पर जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान सीहोर से डॉ. मंगलेश जायसवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा वह दीपक है, जो अंधेरे जीवन में उजाला भर देता है, लेकिन इसमें से कुछ विद्यार्थी किसी कारणवश कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण होकर आगे पढ़ाई छोड़ देते है। कोई आर्थिक, पारिवारिक या अन्य परिस्थितियों से हार मानकर महाविद्यालय में प्रवेश नही ले पाते है। परंतु विद्यालय से पढ़ाई छोड़ देना अंत नही है, बल्कि आप आपके पढ़ाएं हुए शिक्षिकों का मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने आगे की पढ़ाई सूचारू रूप से कर के अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते है। कार्यक्रम में शिक्षापुंज 0.2 को सफल बनाने के लिए शासकीय शहीद भगत सिंह महाविद्यालय आष्टा के प्राचार्य धर्मेन्द्र सूर्यवंशी एवं प्रतिनिधि मंडल डॉ. ललिता राय, डॉ. मेघा जैन, मुकेश परमार, बने सिंह मेवाड़ा, राजेश्वर भूतिया द्वारा अपने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न कौर्स एवं उपलब्ध सुविधाओं तथा शासन द्वारा महाविद्यालय में संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य ज्ञान सिंह पचलासिया, रतन सिंह परमार, सीमा जैन, जीवन सिंह ठाकुर, कल्याण सिंह ठाकुर, सजन सिंह मालवीय, महेन्द्र तोमर, मुकेश चित्तौड़ा, महेन्द्र कुमार झाला, ज्ञान सिंह मेवाड़ा, डी.के. मरेठा, सुरेश जावरिया, लोकेन्द्र सिंह ठाकुर, आर.पी. मालवीय, कमल सिंह मालवीय, राजीव सारसिया, मुकुंद सिंह बरोड़िया, एस.के. सिंगारिया, राजेश राठौर एवं अभिभावक एवं विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष और विधानसभा प्रभारी ने ली ब्लॉक कांग्रेस और शहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

ब्लॉक कांग्रेस औश्र शहर काँग्रेस कमेटी आष्टा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती व विधानसभा प्रभारी अशोक कप्तान की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस मौके पर राजीव गुजराती ने कहा की कांग्रेस आज से अपनी तैयारी विधानसभा स्तर की कर रही है और ब्लॉक समितियाँ और मंडलप समितियों का गठन करना है, 2028 विधानसभा चुनाव से पहले हमे सत्ता का सेमीफाइनल नगर निकाय एवं पंचायत चुनावों की तैयारी करना है और अगर हम लोग नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव जीतते है तो निश्चित तौर पर विधानसभा चुनाव भी जीतेंगे। इस अवसर पर प्रभारी अशोक कप्तान ने कहा कि हमारे नेताओं की मंशा अनुसार हम सब लोग मिलकर संगठन की मजबूती और बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ नेता एवं मण्डलम अध्यक्षों ने भी अपनी बात रखी। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश परमार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ मीना सिंगी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष सोबाल सिंह मुगली, जिला पंचायत सदस्य कमलसिंह चौहान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह मेमदाखेड़ी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद गुड्डू, जावर ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द सिंह ठाकुर, इदरीस मंसूरी, घनश्याम जांगड़ा, जगदीश चौहान, भैया एमपी, एच आर परमाल, सोहेल मिर्जा, चंदरसिंह ठाकुर, कृपाल मालवीय, तौसीफुउद्दीन, नरेन्द्र कुशवाह, सन्नवर खां, राजाराम मालवीय, रशीद नेताजी, फैजुद्दीन, नवाब बैरी, लोकेन्द्र बनवट, मनीष खत्री, अमित पटेल, संदीप ठाकुर, लोकेन्द्र भाटी, मनोहर पंडितिया, राजकुमार मालवीय, मुन्ना बोरवेल, पल्लव प्रगति, गोरे मियाँ, डॉ गीतम ठाकुर, प्रदीप सिंह भाटी, राहुल पटेल, आत्माराम परमार, महमूद अंसारी, आशिक़ मंसूरी, टोनी जैन, परमानंद सेन, रामचरण दवारिया, कमल सेठ, स्वरूप जवारिया, श्याम पटेल, महेश वर्मा, विलास जाट, डॉ एज़ाज़ ख़ान, इमरान डीलक्स, नफ़ीस शाह, अखिलेश राजपूत, बंशी बांबे, नितेश ठाकुर, अशोक मंडलोई, आशुतोष नामदेव, रूपसिंह गोरिया, बन्ने खाँ, अमजद पटेल, महेश पटेल, भरत वर्मा, विजय सोलंकी, यशवंत मालवीय, निसार मसूदी, अनार सिंह, दिलीपसिंह, शंकर बोड़ाना, देवेंद्र ठाकुर, कृपाल तोमर, राजेश सोलंकी आदि लोग मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्री कराने की कलेक्टर ने की अपील

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तेजी से किया जा रहा है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कोई भी किसान फार्मर रजिस्ट्री से न छूटे। उन्होंने कहा है कि फार्मर आईडी केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह किसानों को योजनाओं से जोड़ने का प्रमुख माध्यम है। इसका हर किसान तक लाभ पहुंचना अनिवार्य है। सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तेजी से किया जा सके इसके लिएविशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं।

बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, विधानसभा प्रभारी अशोक पटेल एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद सिंह ठाकुर के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जावर द्वारा जावर के ग्रामीण क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती की भयंकर समस्या रात भर बिजली गुल रहती है। ग्रामीण क्षेत्र में लोग रात-रात भर जाग रहे हैं छोटे बच्चे सो नहीं पा रहे हैं, कटौती के विरोध में एवं नगर परिषद जावर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में पानी की भीषण समस्या के विरोध में एवं पिछले कुछ दिनों में सरकार द्वारा डीजल, पेट्रोल, एलपीजी, सीएनजी, के मूल्य वृद्धि के खिलाफ राज्यपाल के नाम तहसीलदार जावर को ज्ञापन सोपा गया। एवं बिजली विभाग के इंजीनियर के द्वारा विद्युत विभाग के उच्च अधिकारी से जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बात की विद्युत मंडल के जिला अधिकारी के द्वारा आश्वासन दिया गया की बिजली कटौती की समस्या से एक-दो दिन में दूर हो जाएगी।

अगर बिजली कटौती बंद नहीं हुई, एवं जावर में पानी की समस्या और पेट्रोलियम प्रोडक्ट पर मूल्य वृद्धि वापस नहीं ली गई तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करेगी उसके लिए शासन प्रशासन स्वयं की जवाबदारी रहेगी। ज्ञापन आंदोलन कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, विधानसभा प्रभारी अशोक पटेल, अरविंद सिंह ठाकुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, विधानसभा प्रत्याशी रहे कमल सिंह चौहान, धर्मेंद्र सिंह ठाकुर,राजेंद्र भरेवा, देवेंद्र सिंह ठाकुर, राजाराम सेठी, संदीप ठाकुर, लोकेंद्र सिंह ठाकुर, नारायण सिंह ठाकुर, देवेंद्र सिंह वकील, जगदीश चौहान, घनश्याम जांगड़ा, एच आर परमाल ,विवेक राठौर, डॉ भीष्म सिंह ठाकुर, शोभाल सिंह ठाकुर, गोपाल कृष्ण अजमेरा ,चेतन सिंह ठाकुर सेमली बारी, मनोहर सिंह, सूर्यपाल सिंह ठाकुर, धीरज सिंह ठाकुर, रूप सिंह ठाकुर, जितेंद्र सिंह ठाकुर ,धीरज सिंह पहलवान ,पप्पू मंसूरी पार्षद, बहादुर परिहार पार्षद, मनीष मेवाड़ा, तनिष्क त्यागी,राजकुमार मालवीय, हरिनारायण सिंह पटेल, मयंक चौरसिया, देवेंद्र ठाकुर,हरपाल ठाकुर, करण भरेवा, विजेंद्र सिंह ठाकुर, मोर सिंह ठाकुर, आशिक भाई, राजपाल ठाकुर, पप्पू ठाकुर, देवकरण मालवीय, वीरेंद्र ठाकुर, प्रदुम्न ठाकुर, सचिन ठाकुर , रामप्रसाद मालवीय, देवेंद्र ठाकुर, मानसिंह सेठ, सलीम भाई, सूरज सिंह ठाकुर, लाखन सिंह, योगेंद्र सिंह, चेतन सिंह, आरिफ भाई, शक्ति सिंह पटेल, भारत सिंह, जगदीश प्रजापति,राजेंद्र सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंह ठाकुर, महेश जनपद, जोएब, अरशद, अदनान हुसैन, अर्जुन पटेल, पर्वत लाल बामनिया, सत्यम ठाकुर कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर भीष्म सिंह ठाकुर ने किया।

भावों की शुद्धि से हमे परम पद की प्राप्ति होती हैः मुनि सुयन्त सागर महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

प्रतिकूलताओं का सामना करते करते जीवन मे अनुकूलता प्रकट हो जाती है। हमे धैर्य , सद्भाव सकारात्मकता और सरलता के गुण हमेशा धारण करना चाहिए। स्वाभिमानी होने और अहंकारी होने में बहुत अंतर है। अहम हमे विनाश की और ले जाता है। भावों की शुद्धि करके हमे अर्हम को प्राप्त होना चाहिए। यह आशीर्वचन मुनि सुयन्त सागर जी महाराज ने दर्शनार्थियों को देते हुए सभी को धर्म वृद्धि का आशीर्वाद दिया। शाश्वत तीर्थ सिद्धभूमि सम्मेद शिखर की ओर अशक्तता के बावजूद निरन्तर विहार रत पूज्य मुनि सुयन्त सागरजी महाराज की इंदौर भोपाल हाइवे पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य तथा पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती सहित सीहोर नपा के नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर, समाजसेवी अर्जुनसिंह अजय, शंकर बोड़ाना आदि साथीगण ने चरण वंदना की। इस अवसर पर नेताद्वय ने कहा कि तपती दुपहरी में मुनि श्री का विहार करा रहे श्रावकों की निष्ठा और समर्पण देखकर यह शिक्षा मिलती है कि धर्म दिखावे की नही बल्कि आत्मसात करके कठिन पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। जैन मुनियों की जीवनचर्या, साधना और त्याग सचमुच अद्भुत है और बहुत कठिन भी इसके बाद भी उनके स्वभाव में वात्सल्य और सरलता के दर्शन होते हैं। पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने मुनि महाराज के विहार में सहयोगी जैन समाज के कोषाध्यक्ष निर्मल जैन, वैभव जैन धवल, पारस जैन आदि के समर्पण की अनुमोदना की। बताते चले कि दिगम्बर सम्प्रदाय के पट्टाचार्य सुनील सागर जी अकलिंकर के योग्य शिष्य मुनि सुयन्त सागर जी का बुधवार की सुबह सीहोर नगर में मंगल प्रवेश होगा। आज आदिनाथ धाम अमलाहा में आहार के पश्चात उनका सीहोर तरफ विहार हुआ।

शांति समिति की बैठक संपन्न, ईदगाह पर होगी नमाज

तीन दिनों तक मुस्लिम समाज मनाएगा पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

आगामी ईद पर्व एवं नगर में आयोजित धार्मिक आयोजनों को लेकर सोमवार शाम आष्टा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक एसडीएम नितिन कुमार टाले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को जानकारी दी कि 28 मई को ईद का पर्व नगर सहित आसपास के मुस्लिम बाहुल्य ग्रामों में मनाया जाएगा तथा तीन दिनों तक समाजजन अपने-अपने स्तर पर धार्मिक आयोजन करेंगे।

समाजजनों ने बताया कि ईद की मुख्य नमाज 28 मई को सुबह 7 बजे ईदगाह पर अदा की जाएगी, जबकि नगर की विभिन्न मस्जिदों में सुबह 7 बजे से 7:30 बजे तक ईद की विशेष नमाज होगी। प्रशासन की ओर से कुर्बानी के दौरान विशेष सावधानी बरतने एवं बरसाती आदि का उपयोग करने की बात कही गई, ताकि स्वच्छता एवं व्यवस्था बनी रहे। बैठक में नगर की विभिन्न समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में हाजी बब्बन भाई,जाहिद खान गुड्डू, शेख रईस, हरपाल ठाकुर, नरेंद्र कुशवाहा सहित अन्य समाज प्रतिनिधियों ने भी व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव दिए। अंत में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने नगर की समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराने एवं आवश्यक सहयोग देने की बात कही। एसडीओपी दामोदर गुप्ता एवं नगर निरीक्षक गिरीश धुवे ने कहा कि ईद पर्व के साथ-साथ 2 जून से 10 जून तक नगर में आयोजित होने वाले कथा कार्यक्रमों के दौरान भी शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। बैठक में डीजे पर लगाए गए प्रतिबंध का सभी उपस्थितजनों ने स्वागत किया। समाज प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि डीजे प्रतिबंध के बावजूद थानों के सामने से निकलते हैं तो उन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि बाद में यही डीजे गांवों में तेज आवाज में बजाए जाते हैं, जिससे कानून व्यवस्था एवं आमजन को परेशानी होती है।

गंगा दशहरा के अवसर पर लगाए गए 501 पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

हर साल की तरह इस साल भी जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के निर्देशानुसार विठलेश सेवा समिति के तत्वाधान में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर यहां पर पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला, आशीष वर्मा, आकाश शर्मा सहित अन्य ने करीब 501 से अधिक पौधों का मंदिर परिसर में रोपण किया। वहीं आगामी दिनों में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर भी मंदिर परिसर में पौधा रोपण का आयोजन किया जाएगा।

आगामी विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को विठलेश सेवा समिति के तत्वाधान में निशुल्क पौधों का वितरण का कार्य शुरू हो गया है। समिति के द्वारा आगामी दिनों में शहर सहित आस-पास के स्थानों में दस हजार से अधिक पौधों का रोपण और वितरण भी किया जाएगा। गुरुद्रेव पंडित प्रदीप मिश्रा के निर्देश पर समिति की ओर से इसकी शुरूआत की है और यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को पौधों का वितरण किया है। इस मौके पर पंडित विनय मिश्रा और पंडित समीर शुक्ला ने आस-पास के ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधों का रोपण करने की अपील की है। गंगा दशहरा के पश्चात आगामी दिनों में विश्व पर्यावरण दिवस पर भी पौधा रोपण का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि समिति हर साल पर्यावरण को लेकर पौधारोपण के अलावा निशुल्क पौधों का वितरण करती है।

पेड़ों को धरती पर ऑक्सीजन का बेस्ट और इकलौता सोर्स माना जाता है। जिसमें पीपल का पेड़, बरगद का पेड़, नीम का पेड़, अशोक का पेड़, अर्जुन का पेड़, जामुन का पेड़ और तुलसी के पौधे आदि हैं। प्राकृतिक वातावरण हमें चारों ओर से घेरे हुए है। पेड़ पौधे, बगीचे, पर्वत, नदी, तालाब आदि से हमारा वातावरण स्वच्छ रहता है। इसलिए पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें अपने आसपास साफ-सफाई और छायादार पौधों का अधिक से अधिक रोपण करना होगा। फैक्टरियों और वाहनों से निकलने वाला धुआं वातावरण को सबसे ज्यादा प्रदूषित करता है। यदि पर्यावरण को स्वच्छ रखा जाएगा तो हम भी स्वस्थ रहेंगे। वहीं फरवरी में मंदिर परिसर में द्वादश ज्योतिर्लिंग गार्डन में 'ग्रीन शिवरात्रि थीम पर पौधा लगाया है। इस गार्डन में 12 विशेष पौधे लगाए हैं। पर्यावरण-हितैषी आयोजन आध्यात्मिकता को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया है। पौधे 12 ज्योतिर्लिंगों का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। इन पौधों को धाम से उनकी वास्तविक भौगोलिक दूरी के आधार पर 'स्केल डिस्टेंस पद्धति से रोपित किया है। इनमें श्री महाकालेश्वर (127 किमी), श्री ओंकारेश्वर (135 किमी), श्री केदारनाथ (864 किमी) और श्री रामेश्वरम (1557 किमी) जैसे प्रमुख ज्योतिर्लिंगों की दूरियों को दर्शाया है।